विद्या भारती विद्यालय

आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर

श्रीकृष्ण चन्द्र गाँधी शैक्षिक नगर, कुदलुम, बालालौंग, नगड़ी, राँची-834004

विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा संचालित

(प्रस्तावित मान्यता 52 सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली)

संपूर्ण विकास की परिकल्पना को पूर्ण करता एक विद्यालय

विवरणिका / PROSPECTUS

सम्पर्क कार्यालय - विद्या विकास समिति, झारखण्ड, परिसर
शुक्ला कॉलोनी, हिनू राँची-834002

Telefax : 0651-2250642, 2251008, Mobile No. : 7765928901
E-mail : apjsvmkudlum@gmail.com, Website : vidyavikassamiti.org

प्रस्तावना

आदित्य प्रकाश जालान

भारतीय संस्कृति एवं जीवनादर्श के अधिष्ठान पर शिक्षा का स्वरूप खड़ा कर देश के बालक - बालिकाओं के व्यक्तित्व, चरित्र एवं रुचि निर्माण करने वाली शिक्षा प्रदान कर सम्पूर्णता में मनुष्य निर्माण के उदात्त लक्ष्य को लेकर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान आज सम्पूर्ण देश में लगभग 27000 शिक्षण इकाईयों के साथ कार्यरत है। हमारा प्रयास है कि भारतीय संस्कृति एवं जीवन-पद्धति के अनुरूप जीवन-मूल्यों का बालक-बालिकाओं में विकास करते हुए आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं तकनीकियाँ का समावेश कर देश और दुनिया की आवश्यकता के अनुरूप स्वस्थ, सक्षम और सुसंस्कृत पीढ़ी का निर्माण करना जो राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो तथा जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके।

आज वैश्वीकरण की आड़ में शिक्षा का व्यवसायीकरण हो रहा है जिसमें संस्कार एवं चरित्र की बनावट एवं दृढ़ता को दुर्लक्ष्य किया जा रहा है। गर्व के साथ उल्लेख करना है कि सरस्वती विद्या मंदिर में गणित, विज्ञान, हिन्दी अंग्रेजी, संस्कृत, कम्प्यूटर आदि सभी विषयों की दृष्टि से बालक-बालिकाओं के समुचित एवं संतुलित विकास का प्रयत्न तो होता ही है, साथ ही शारीरिक, खेलकूद, योग, संगीत, प्राथमिक चिकित्सा, पेंटिंग आदि शिक्षण-सहगामी क्रियाओं (co-curricular activities) में उनकी क्षमताओं एवं कुशलताओं के विकास का सतत् एवं व्यापक प्रयत्न किया जाता है। सभी विषयों के लिए प्रश्न मंच, सुलेख, वाद-विवाद, निबंधा, चित्रकला, व्यक्तिगत अभिव्यक्ति, संगीत तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं का विद्यालय, राज्य एवं क्षेत्र/राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन, विज्ञान मेला, विद्या भारती प्रतिभा चयन प्रतियोगिता, विद्या भारती प्रतिभा खोज प्रतियोगिता, महापुरुषों की जयंतियाँ, शैक्षिक भ्रमण तथा सदन व्यवस्था के अंतर्गत शिशु/बाल/किशोर एवं कन्या भारती के माधयम से बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। ज्ञानात्मक एवं कौशलात्मक विकास के साथ-साथ भावात्मक एवं संवेदनात्मक विकास हमारी प्राथमिकता है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि प्रारंभ से इस कार्य में लगे हुए मनीषियों के अनुभवों एवं 7 दशकों के शोध के सार स्वरूप विद्या भारती की राज्य इकाई विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा जालान परिवार के सहयोग से भीड़ एवं प्रदूषण से दूर प्रकृति की गोद में बसे झारखण्ड की राजधानी राँची के कुदलुम, श्रीकृष्ण चन्द्र गाँधी शैक्षिक नगर में **आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर** प्रारंभ हुआ है जिसमें दिवाकालीन (Day Scholar) छात्र-छात्राओं के लिए शिक्षण व्यवस्था के साथ-साथ कक्षा चतुर्थ से छात्रों (Boy Student) के लिए आवासीय व्यवस्था भी प्रारंभ की गई है।

विद्या भारती का कार्य समाज आधाारित है। समाज के सुधीजनों के सहयोग से ही विद्या भारती ने कई नए अधिष्ठान खड़े किए हैं। इसी क्रम में एक आदर्श विद्यालय की संकल्पना को साकार करने में श्रीमती किरण जालान एवं ज्ञान प्रकाश जालान (ज्ञानू जी) का योगदान महत्वपूर्ण है। आदित्य, श्री ज्ञानू जी के छोटे सुपुत्र थे। स्मृति शेष आदित्य बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं सामाजिक संवेदनाओं से ओत-प्रोत थे। ईश्वरीय काल चक्र के कारण आदित्य का निधन 2010 में मार्ग दुर्घटना में हो गया था। जालान परिवार में सामाजिक संवेदनाओं से अनुप्राणित अपने लाल (आदित्य) के नाम से आदित्य प्रकाश जालान शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का निर्माण कर अपने सामाजिक दायित्व को पूर्ण किया। इसके सफल संचालन को देखते हुए शिशु मंदिर योजना के सहभागी एवं अभिभावक के रूप में संरक्षण देने वाले श्री ज्ञानू जी एवं समस्त जालान परिवार एक +2 स्तरीय विद्यालय की स्थापना की इच्छा व्यक्त की, जो अब आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर, कुदलुम के रूप में स्थापित हुआ है।

आइए, अपने बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विद्या भारती द्वारा स्थापित आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर, कुदलुम, राँची जो सभी व्यवस्थाओं से परिपूर्ण दिवाकालीन एवं आवासीय विद्यालय है, से जुड़कर अपने पाल्य/पाल्या तथा राष्ट्र के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का गौरव प्राप्त करें।

"हमारा लक्ष्य मूल्य आधारित व सुसंस्कृत शिक्षा देना है जो चिन्तन कौशल एवं जीवन-पद्धति को विकसित करता है।"

"Our aim is to provide value based holistic education focusing on acquiring thinking skills and learning how to learn for life."

हमारा प्रयत्न (WE STRIVE FOR)

सर्वाधिक महत्वाकांक्षी, प्रभावशाली, विस्तृत व उत्कृष्ट शिक्षा

The most ambitious, effective, comprehensive and sublime education

- शैक्षणिक उत्कृष्टता Academic excellence
- शिक्षण-सहगामी क्रिया कलापों के माध्यम से समुचित विकास Adequate development in co-curricular activities
- तकनीकी युक्त शिक्षण शैली Technology enabled teaching learning process
- आधुनिक संरचनाएँ Modern infrastructure
- भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा Indian culture based education

सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास (TOTAL PERSONALITY DEVELOPMENT)

- कार्यमुखी विकास
  Working development
- अन्नमयकोश
  Physical development
- प्राणमयकोश
  Vital development
- मनोमयकोश
  Mental development
- विज्ञानमयकोश
  Intellectual development
- आनन्दमयकोश
  Spiritual development

शिक्षा के स्तंभ (PILLARS OF EDUCATION)

- संस्कारक्षम एवं सृजनशील परिवेश
  Ornamental and creative environment
- बोधापरक ज्ञानार्जन
  Comprehensible knowledge
- संवेदनशील राष्ट्रभक्ति
  Sensitive nationalism
- मूल्य आधारित शिक्षा
  Value based education

शिक्षा प्रक्रिया (EDUCATION PROCESS)

- बल केन्द्रित शिक्षण Child – centered teaching
- क्रिया आधारित शिक्षा Activity- based teaching
- प्रयोग आधारित शिक्षण Learning by doing
- खेल प्रणाली से शिक्षा Playway method of teaching
- तकनीकी-समृद्ध शिक्षा Technology - enabled teaching
- भारतीय एवं आधुनिक चिंतन पर आधारित शिक्षण
  Teaching based on Modern Indian thought
- पंचपदी शिक्षण पद्धति Panchpadi Method of Education
- सहयोगी वातावरण Co-operative atmosphere

पंचपदी शिक्षण पद्धति (FIVE-STEPS TEACHING METHODS)

1. अधीति (Development of knowledge)
2. बोध (Development of Understanding)
3. अभ्यास (Development of Skills)
4. प्रयोग (Development of Ability of Application of knowledge)
5. प्रसार (Development of Attitude)

वैशिष्ट्य (FEATURES)

- भारतीय संस्कृति पर आधारित (Based on Bhartiya Culture)
- सृजनशील एवं शांत वातावरण (Creative and peaceful atmosphere)
- भव्य भवन व विस्तृत परिसर (Splendid building and premises)
- चिकित्सा एवं छात्र-छात्रओं के लिए कॉमन रूम (Sick & Common room for boys and girls)
- सुयोग्य, समर्पित व परिश्रमी आचार्य (A qualified, persevere and dedicated team of teachers)
- आचार्य अभिभावक संपर्क (Teacher – guardian contact)
- दृश्य - श्रव्य साधानों का उपयोग (Use of audio –visual aids)
- समृद्ध विज्ञान एवं संगणक प्रयोगशालाएँ (Rich science and computer lab)
- समृद्ध व उपयोगी पुस्तकालय एवं वाचनालय (Rich and useful library with reading section)
- शिक्षण का माधयम : हिन्दी व अंग्रेजी (Medium of instruction: Hindi & English)
- प्रतिस्पर्द्धात्मक विकास (Competitive Development) : प्रश्न-मंच (Quiz), कला (Art), हस्त व्यवसाय (Handicraft Works), स्काउटिंग एवं गाइडिंग (Scouting and Guiding), N.C.C., N.S.S., रूप सज्जा (Fancy Dress) इसके अलावा विज्ञान मेला (Science Congress) विद्या भारती प्रतिभा चयन प्रतियोगिता, विद्या भारती प्रतिभा खोज प्रतियोगिता तथा सदन व्यवस्था के अंतर्गत शिशु/बाल/किशोर एवं कन्या भारती के माधयम से बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास की व्यवस्था।
- पाठ्यसहगामी क्रियाकलाप (Co-Curricular Activities) : 1 साहित्य - संबंधिा (Literary) - नाटक (Drama), वाद. विवाद (Debate) कविता, (Poem), आशुवाचन (Elocution) आदि।
  1. सांस्कृतिक (Cultural) : एकलगीत (Solo Song), समूह गान (Group Song)
  2. समूह नृत्य (Group Dance), कंठ्य संगीत एवं वाद्य संगीत (Vocal Music and Instrumental Music) आदि।
  3. शारीरिक एवं खेलकूद (Physical, Games and Sports) : समता, व्यायाम, कबडी, खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल,बास्केटबॉल, हैंडबॉल, टेबुल टेनिस, बैडमिंटन, फेंक, कूद, दौड़ आदि।
  4. योग (Yoga) : आसन, प्रणायाम, धयान आदि।
  5. घोष (Training of school band)
  6. समाज सेवा (Social Work) : वृक्षारोपण, (Plantation), स्वच्छता (Cleanliness), समर्पण (Dedication)
  7. शैक्षिणिक भ्रमण (Educational Tour/Excursion)

विद्या भारती विद्यालय
आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर
(आवासीय सुविधा युक्त)
विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा संचालित

प्रवेश संबंधी नियम (RULES FOR ADMISSION)

- विद्यालय में N.C.E.R.T के पाठ्यक्रम के अनुसार सह शिक्षा (Co- education) तथा छात्रवास में कक्षा चतुर्थ से केवल भैया (Boys) के नामांकन की व्यवस्था।
- विद्यालय के नियमानुसार नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।
- बालक-बालिकाओं में कक्षा स्तरीय विषय-वस्तु की जानकारी होनी चाहिए।
- यदि किसी अभिभावक को अपने पाल्य/पाल्या के लिए विद्यालय बस की (School conveyance) की सुविधा चाहिए तो पंजीयन प्रपत्र के निर्धारित स्तंभ को भरें।
- प्रवेशोपरांत सत्र के पूर्वाद्ध (प्रथम छः माह के अंदर) में किसी भी समय विद्यालय छोड़ने पर उस अवधि के लिए
  निर्धारित सभी शुल्क पूर्ण भुगतेय है तथा सत्र के उत्तरार्द्ध (द्वितीय छः माह के अन्दर) में किसी समय विद्यालय परित्याग करने पर संपूर्ण सत्र का शुल्क भुगतेय है।

आवासीय व्यवस्था (HOSTEL)

- विद्यालय परिसर में ही सभी सुविधाओं से युक्त एक आदर्श छात्रवास (An ideal hostel) है जिसमें कक्षा चतुर्थ से केवल बालकों (Boy) का प्रवेश लिया जाता है।
- छात्रवास की दिनचर्या एवं नियमावली का अनुपालन अनिवार्य है। विपरीत स्थिति में छात्रवास से कभी भी वापस किया जा सकता है।
- विद्यालय से किसी छात्रवासीय छात्र (boarder) का निष्कासन छात्रवास से भी निष्कासन माना जाएगा।
- विद्यालय एवं छात्रवास के नियम अभिभावकों के लिए भी अनुपालनीय हैं।
- छात्रवासीय भैया के अभिभावक/माता/पिता अपने पाल्य से प्रत्येक महीने के किसी एक रविवार के 9:00 बजे से 4:30 बजे तक भेंट कर सकते है। विशेष परिस्थिति में प्रधानाचार्य/छात्रवास प्रमुख की पूर्वानुमति से ही भेंटवार्ता हो सकेगी। इस प्रकार दूरभाष पर वार्ता का समय रविवार के दिन 9:00 बजे से 5:00 बजे तक निर्धारित है साथ ही जन्मदिन पर दूरभाष पर वार्ता हो सकेगी।
- अभिभावक महोदय से आग्रह है कि छात्र को खाने-पीने की कोई सामग्री तथा रुपये न दें। अँगूठी, मोबाइल तथा कोई भी कीमती सामान रखना निषिद्ध है।
- प्रत्येक छात्र के लिए चौकी, गद्दा, तकिया, तकिया कवर और बेडशीट की व्यवस्था विद्यालय की ओर से है, परन्तु मच्छरदानी, ओढ़ने की चादर, बाल्टी और मग सहित दैनिक प्रयोग की वस्तुएँ अपने साथ लेकर आना होगा।
- सुरुचिपूर्ण शुद्ध शाकाहारी व पौष्टिक भोजन की व्यवस्था है। मौसम के अनुसार ताजा फल एवं प्रतिदिन दूध दिया जाता है।
- छात्रवास में छात्र को पहुँचाने तथा अवकाशादि में छात्रवास से घर ले जाने का दायित्व अभिभावक/माता/पिता का है।

निर्धारित वेश

ग्रीष्मकालीन

छात्रें के लिए

- **प्रथम से द्वादश तक** – सफेद बनियान, रूमाल, पूरी आस्तीन की सफेद धारीदार हल्की गुलाबी कमीज, स्टील ग्रे फुलपैंट (कक्षा प्रथम एवं द्वितीय तक फुलपैंट/हाफपैंट), फीतेदार काला जूता (नन लैदर), काला मोजा तथा निर्धारित बेल्ट।

छात्रओं के लिए

- **प्रथम से पंचम तक** – सफेद गंजी, रूमाल, सफेद धारीदार हल्की गुलाबी हार्फ कमीज, स्टील ग्रे बॉक्स प्लेट स्कर्ट, काले जूते (नन लैदर), काला मोजा तथा निर्धारित बेल्ट।
- **षष्ठ से द्वादश तक** – सफेद सलवार, सफेद धारीदार हल्की गुलाबी कॉलर वाला कुर्ता, सफेद ओढ़नी (दुपट्टा) काले जूते (नन लैदर), काला मोजा, काला हेयर बैंड।

शीतकालीन

- **प्रथम से पंचम तक** – शीतकाल में उपर्युक्त वेश के अतिरिक्त सादी बुनाई की पूरी आस्तीन का मैरून रंग का वी (V) गले का स्वेटर।
- **षष्ठ से द्वादश तक** – मैरून ब्लेजर।

विशेष वेश

- प्रत्येक सोमवार, गुरुवार तथा निर्देशित विशेष अवसरों पर सभी भैया बहनों के लिए निर्धारित वेश के स्थान पर श्वेत वेश निर्धारित है। काला जूता (नन लैदर) के स्थान पर श्वेत पी॰ टी॰ शू एवं काला हेयर बैंड के स्थान पर श्वेत हेयर बैंड होंगे। स्वेटर तथा ब्लेजर का रंग यथावत रहेगा।

स्कूल बैग

विद्यालय में विद्यालय बैग के अतिरिक्त अन्य बैग का उपयोग वर्जित है।

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है, जिसके द्वारा ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण हो सके, जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन के वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलता पूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन-दुःखी अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।

आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर, राँची के अल्बर्ट एक्का चौक से 20 किलोमीटर, राँची–गुमला मार्ग पर नगड़ी गुमटी से चार किलोमीटर एवं धुर्वा डैम से पाँच किलोमीटर, राँची–खूँटी रिंग रोड से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है।

संपूर्ण विकास की परिकल्पना को पूर्ण करता एक विद्यालय

विवरणिका / PROSPECTUS

विद्या भारती विद्यालय

आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर

श्रीकृष्ण चन्द्र गाँधी शैक्षिक नगर, कुदलुम, बालालौंग, नगड़ी, राँची-834004

विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा संचालित

(प्रस्तावित मान्यता 52 सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली)

सम्पर्क कार्यालय - विद्या विकास समिति, झारखण्ड, परिसर, शुक्ला कॉलोनी, हिनू राँची-834002
Telefax : 0651-2250642, 2251008, Mobile No. : 7765928901, E-mail : apjsvmkudlum@gmail.com, Website : vidyavikassamiti.org